

प्रेषक,

टी०के०पन्त  
संयुक्त सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
संस्कृति निदेशालय,  
उत्तराखण्ड शासन।

संस्कृति अनुभाग

देहरादून दिनांक : 11 दिसम्बर, 2007

विषय-भारतीय स्वतंत्रता संग्राम 1857 की 150 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में उत्तराखण्ड राज्य में मनाये जाने वाले कार्यक्रमों हेतु धनराशि स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1120/स.नि.उ./1-13/2007 दिनांक- 20-10-2007 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की 150 वीं वर्षगांठ पर आयोजित किए जाने वाले निम्न कार्यक्रमों हेतु रुपये 53,85,000.00 मात्र की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए उक्त के सापेक्ष मात्र 50% अर्थात् ₹ 26,92,500.00 की धनराशि शासनादेश संख्या-429/VI-I/2 (19)/2007 दिनांक-25-10-2007 के द्वारा आपके निवर्तन पर रखी हुई धनराशि से व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- |   |             |
|---|-------------|
| 2.(I) प्रदेश के स्वाधीनता संग्राम सेनानियों का सम्मान पत्र के द्वारा सम्पादित किया जाना।  | ₹ 3.85 लाख  |
| (II) प्रदेश के स्वाधीनता संग्राम सेनानियों को शॉल भेंट किये जाने पर व्यय।   | ₹ 2.00 लाख  |
| (III) स्वाधीनता संग्राम की 1857 की 150 वीं वर्षगांठ के अवसर पर स्मारिका का छपाया जाना।  | ₹ 5.00 लाख  |
| (IV) स्वतंत्रता संग्राम एवं इसमें प्रतिभाग करने वाले अज्ञात सेनानियों/शहीदों के नामों पर शोधकार्य एवं इसका प्रकाशन/यह कार्य प्रदेश में स्थित गढ़वाल/कुमाऊं विश्वविद्यालय को ₹ 5-पांच लाख की धनराशि दिया जाना प्रस्तावित है।   | ₹ 10.00 लाख |
| (V) स्वाधीनता संग्राम की 1857 की 150 वीं वर्षगांठ के आयोजन पर प्रदेश के सरकारी एवं गैरसरकारी विद्यालयों में राष्ट्रीय आन्दोलनों के विषय पर विचार गोष्ठी, लाईट एण्ड साउण्ड, प्रतियोगिताओं का आयोजन इस हेतु प्रदेश के प्रत्येक जनपद के जिला अधिकारियों को ₹ 1-एक लाख की धनराशि की स्वीकृति/आवंटन प्रस्तावित है। | ₹ 13.00 लाख |
| (VI) प्रचार-प्रसार कार्यक्रम पर संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों/तिथियों आदि पर अभिलेख प्रदर्शनियों/विद्यालय में लघु नाटक/विचार गोष्ठियों/सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।  | ₹ 20.00 लाख |

योग

₹ 53.85 लाख

3. उपरोक्त प्रस्ताव-2 में इंगित योजनाओं/कार्यक्रमों के सम्मुख अंकित धनराशि की 50 प्रतिशत की सीमा के अन्तर्गत ही आयोजन हेतु धनराशि व्यय किये जाने की स्वीकृति प्रदान की जाती है तथा धनराशि उन्हीं मदों पर व्यय की जाये, जिन मदों हेतु स्वीकृति की जा रही है। अन्य मदों में व्यय नहीं

किया जायेगा। धनराशि उपयोग कर कार्यक्रम में हुए मदवार व्यय विवरण के साथ उपयोगिता प्रमाण पत्र निधारित प्रारूप पर अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

4. उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबंध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है जिसे व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय संबंधित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता/वित्तीय अनुशासन के संबंध में समय-समय पर जारी किए गये नियमों/शासनादेशों में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

5. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए जितना कि स्वीकृत नार्म है, लेकिन नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

6. उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या-11 लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-001-निर्देशन तथा प्रशासन -03-सांस्कृतिक कार्य निदेशालय-42 अन्य व्यय के गानक मद के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।

7. उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ०शा० संख्या-513(पी)/XXVII-3/07 दिनांक-03 दिसम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

5 अगस्त 2007

भवदीय

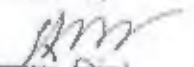
(टी०के०पन्त)  
संयुक्त सचिव

पृष्ठांक संख्या 434 /VI-I/2007-2(5)/2006 तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी उत्तराखण्ड शासन।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. निजी सचिव, मा० मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
6. वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
7. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, देहरादून।
8. एन०आई०सी० सचिवालय परिसर।
9. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

  
(श्याम सिंह)  
अनुसचिव